सुविचार जो जानते है ,वो बोलते नही , जो बोलते है वो जानते नही - लाओ त्जु l

डीजिटल संस्करण https://sbpatra.in पर उपलब्ध

सत्य का ब्रह्मास्त्र

स्वतंत्र बौद्धिकपत्र

सम्पादक-मधुसूदन शर्मा
सह सम्पादक-बृजेश कुमार शर्मा

वर्ष -२ अंक -५७ सोमवार –०४/०८/२०२५ पृष्ठ – ४ प्रति सोमवार डीजिटल संस्करण

सम्पादकीय

रूस से तेल खरिदना भारत की समप्रभुता।

बीते कुछ दिनों से अमेरिका और भारत में ठनी हुई है। पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर भारी–भरकम ट्रेड टैरिफ लगाने का ऐलान कर दिया। उससे पहले ट्रंप ने सीधे–सीधे कह दिया था कि भारत रूस से तेल न खरीदे। यहां तक कि अमेरिका के नेतृत्व वाले सैन्य गठबंधन नाटो यानी नॉर्थ अटलांटिक ट्रीटी ऑर्गनाइजेशन के महासचिव मार्क रुटे ने भी भारत, ब्राजील और चीन को खुली धमकी दे डाली थी। उस वक्त ही भारत ने अमेरिका को स्पष्ट शब्दों में कह दिया था कि इस मामले में दोहरा मापदंड नहीं चलेगा। दरअसल, भारत की अपनी स्वतंत्र विदेश नीति है। राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक विकास भारत की विदेश नीति के बेसिक मकसद हैं। इसके अलावा, भारत के लिए रूस क्यों जरूरी है वहीं, रॉयटर्स की रिपोर्ट में भारत सरकार के सूत्रों के हवाले से बताया है कि अमेरिकी धमकियों के बावजूद भारत रूस से तेल खरीदना जारी रखेगा। भारत सरकार ने भी अपने तेल रिफाइनर्स को रूसी तेल खरीदना बंद करने का कोई निर्देश नहीं दिया है। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के अनुसार, सरकार संचालित और निजी रिफाइनर दोनों को पसंदीदा स्रोतों से खरीदारी करने की अनुमति है और कच्चे तेल की खरीद एक वाणिज्यिक फैसला बना हुआ है। डिफेंस एक्सपर्ट लेफ्टिनेंट कर्नल जेएस सोढ़ी के मुताबिक, दरअसल, रूस से तेल खरीदने का फैसला या रूस से दोस्ती बनाए रखने की नीति हो, यह भारत की स्वतंत्र विदेश नीति का हिस्सा है। भारत एक संप्रभु देश है। ऐसे में अमेरिका जैसा कोई देश यह तय नहीं कर सकता है कि भारत किससे संबंध रखे या न रखे। इससे पहले केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने एक प्रोग्राम में स्पष्ट तौर पर कहा है कि रूस–यूक्रेन युद्ध संघर्ष और मध्य–पूर्व में तनाव जैसे वैश्विक भू–राजनीतिक व्यवधानों के बीच भारत ने अपनी ऊर्जा सुरक्षा की जरूरतों को देखते हुए सक्रिय रूप से कच्चे तेल के आयात सोर्स को 27 देशों से बढ़ाकर 40 देशों तक कर दिया है। इसीलिए रूस पर पाबंदी जैसी किसी कार्रवाई से हम चिंतित नहीं हैं।

नही रहे झारखंड के पुर्व सीएम ओर राज्यसभा सांसद शिबु सोरेन,ब्रेन स्टोक के बाद बिगडी थी तबीयत ,दिल्ली के गंगाराम अस्पताल मे ली अंतीम सांस

दिशोम गुरूजी के नाम से प्रसिद्ध थे पुर्व सीएम शिबु सौरेन,युपीए सरकार में कोयला मंत्री रहते हुए हत्याकांड मे दिया था त्याग पत्र।

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद शिबू सोरेन का निधन हो गया है। वे 81 साल के थे। दिशोम गुरुजी के नाम से प्रसिद्ध सोरेन ने आज सुबह दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में अंतिम सांस ली। न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक उन्हें सुबह 8.56 बजे मृत घोषित किया गया। सोरेन पिछले डेढ़ महीने से अस्पताल में भर्ती थे। उन्हें ब्रेन स्ट्रोक हुआ था। इससे उनके शरीर के बाईं ओर पैरालिसिस हो गया था। वे पिछले एक महीने से लाइफ सपोर्ट सिस्टम पर थे। शिबू सोरेन लंबे समय से किडनी की बीमारी से जूझ रहे थे।बीते कुछ दिनों से उनकी हालत गंभीर बनी हुई थी।युपीए कार्यकाल में रहे थे कोयला मंत्री – शिबू सोरेन झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक संरक्षक थे। वह यूपीए के पहले कार्यकाल के दौरान कोयला मंत्री रह चुके थे। हालांकि चिरूडीह हत्याकांड में नाम आने के बाद उन्होंने केंद्रीय मंत्रीमंडल से इस्तीफा दे दिया था।

पिता की हत्या के बाद उन्हें लगा कि पढ़ाई से ज्यादा जरूरी है महाजनों के खिलाफ आदिवासी समाज को इकट्ठा करना। उन्होंने सूदखोर महाजनों के खिलाफ काम करना शुरू किया। 1970 में वे महाजनों के खिलाफ खुल कर सामने आए

कश्मीर के कुलगाम में लगातार चौथे दिन एनकाउंटर जारी दो आतंकी ढेर , चार जवान घायल

एक आतंकी की पहचान हारिज नजीर डार के रूप में हुई जो पुलवामा का है ।

कश्मीर के कुलगाम स्थित अखल के जंगलों में लगातार चौथे दिन सुरक्षाबलों की आतंकियों से मुठभेड़ जारी है। अब तक इस ऑपरेशन में दो आतंकवादी मारे गए हैं। 4 जवान भी घायल हुए हैं। इनमें एक सोमवार सुबह घायल हुआ। जवान को इलाज के लिए श्रीनगर के 92 बेस अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं, जंगल में छिपे हुए और आतंकवादियों का पता लगाने के लिए घेराबंदी बढ़ा दी गई है। सीनियर पुलिस और सेना के अधिकारी ऑपरेशन को अंजाम देने में जुटे हैं। रुद्र हेलिकॉप्टर, ड्रोन, हाई टेक्नीक वाले निगरानी उपकरण और पैरा फोर्सेज को तैनात किया गया है। कुलगाम में सुरक्षाबलों ने 2 अगस्त को दो आतंकवादियों को मार गिराया था। दोनों के शव भी बरामद हुए। इनमें एक आतंकी की पहचान पुलवामा के हारिस नजीर डार के रूप में हुई। हालांकि, दूसरे का नाम सामने नहीं आया है। हारिस सी–कैटेगरी का आतंकी था। वह उन 14 लोकल आतंकियों की लिस्ट में था, जिनके नाम खुफिया एजेंसियों ने पहलगाम हमले के बाद 26 अप्रैल को जारी किए थे। उसके पास से एके–47 राइफल, मैगजीन और ग्रेनेड और गोला–बारूद बरामद हुए थे।

रूसी ऑयल खरीदने में अमेरीका का दबाव नही - भारत

बाजार में जो चीज मौजूद है हम उसी हिसाब से फैसले लेते है – प्रवक्ता विदेश मंत्रालय

भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को प्रेस ब्रीफिंग में सवालों के जवाब दिए। भारतीय विदेश मंत्रालय ने उन खबरों को खारिज किया है, जिनमें दावा किया गया था कि भारत ने अमेरिकी दबाव में रूस से ऑयल खरीदना बंद कर दिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को एक प्रेस ब्रीफिंग में कहा– बाजार में जो चीज मौजूद हैं और दुनिया में जो हालात हैं, भारत उसी हिसाब से फैसले लेता है। दरअसल कुछ मीडिया रिपोर्ट्स ने हाल ही में दावा किया था कि भारत की सरकारी ऑयल रिफाइनरियों ने पिछले हफ्ते रूसी तेल खरीदना बंद कर दिया है, क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने भारत को मॉस्को से तेल नहीं खरीदने की चेतावनी दी है।

भारतवंशी मथुरा श्रीधरन अमेरिका में सॉलिसिटर जनरल बनी ।

माथे पर बिंदी लगाने पर ट्रोल हुई थी मथुरा श्रीधरन

भारतीय मूल की अमेरिकी वकील मथुरा श्रीधरन को ओहियो राज्य की सॉलिसिटर जनरल नियुक्त किया गया है। नियुक्ति के बाद मथुरा को ऑनलाइन ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा। कुछ लोगों ने उनकी बिंदी और भारतीय मूल को लेकर सवाल उठाए और कहा कि एक गैर–अमेरिकी को यह पद क्यों दिया गया। इसके जवाब में ओहियो के अटॉर्नी जनरल डेव योस्ट ने कहा– कुछ लोग गलत कह रहे हैं कि मथुरा अमेरिकी नहीं हैं। वह अमेरिकी नागरिक हैं, एक अमेरिकी नागरिक से शादीशुदा हैं और उनके माता–पिता भी अमेरिकी नागरिक हैं। अगर उनका नाम या रंग आपको परेशान करता है, तो समस्या आप में है, न कि मथुरा या उनकी नियुक्ति में।

पाकिस्तानी जेल में बंद भारतीय युवक का विडिया- भारत-पाक सीमा पर खेती करने गए युवक को पाक रेन्जर ने पकडा l

विडीयो में युवक ने वकिल करने की गुहार लगाई

पंजाब के फाजिल्का में भारत–पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय बॉर्डर पर खेती करने गया युवक सरहद पार कर गया। इसी दौरान युवक को पाकिस्तानी रेंजर्स ने पकड़ लिया। करीब डेढ़ माह बाद अब युवक का एक वीडियो सामने आया है।युवक पाकिस्तानी जेल में बंद है। उस पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है, वकील कर लो। युवक का वीडियो सामने आते ही उसके परिवार ने स्थानीय पुलिस और बीएसएफ अधिकारियों को मामले की जानकारी दी। युवक द्वारा भेजा गया वीडियो भी सौंपा। युवक के पिता का कहना है कि जल्द से जल्द उनके बेटे का रिहा करवाया जाए। पंजाब सरकार और विदेश मंत्रालय से भी परिवार ने संपर्क किया है। उधर, युवक के परिवार की ओर से भेजे गए कागजों से पता चला है कि युवक को 1 महीने की सजा दी गई है और उस पर एक लाख का जुर्माना भी किया गया है। युवक शादीशुदा है और उसकी एक बेटी भी है।

युक्रेनी सैना में महिलाओं की संख्या दोगुना , ड्रोन से लेकर मोर्चो पर तैनात

साढे पाँच हजार महिला सैनिक रूस के सीधे लडाई में सामने है ।

यूक्रेन और रूस युद्ध के बीच यूक्रेन की सेना में महिलाओं की भागीदारी तेजी से बढ़ी है। बीते साढ़े तीन साल में सेना में महिलाओं की संख्या बढ़कर एक लाख हो गई है। फिलहाल यूक्रेनी सेना में कुल 10 लाख सैनिक हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, युद्ध शुरू होने के बाद महिलाएं सेना में शामिल होने के घलिए खुद आगे आ रही हैं। सशस्त्र बलों की सलाहकार ओक्साना ग्रिगोरिएवा बताती हैं कि रूस के खिलाफ फिलहाल साढ़े पांच हजार महिलाएं सीधे मोर्चे पर हैं।

ये महिलाएं ड्रोन से लेकर सीधे मोर्चे पर तोपें संभाल रही हैं। इसके अलावा ये मेडिकल सपोर्ट, फ्रंटलाइन ट्रांसपोर्ट जैसी ड्यूटीज भी निभा रही हैं। बता दें कि 2022 में रूस के आक्रमण से पहले सेना में 15: महिलाएं थीं। अब उनकी संख्या दोगुनी हो गई है। ग्रिगोरिएवा कहती हैं कि सैन्य स्कूलों और कॉलेजों में अब 20: छात्राएं हैं, जो बड़ा बदलाव है।

ब्रिगेड में पुरुषों से भी ज्यादा मजबूत महिला सैनिक अलीना – पूर्व पेशेवर हेप्टाथलीट अलीना शुख ने शुरू में प्रतिष्ठित अजोव ब्रिगेड में भर्ती होने की कोशिश की।लेकिन, उन्हें बताया गया कि उनके लिए कोई पद नहीं है। इसके बाद वे खर्टिया ब्रिगेड में शामिल हुईं। शुख कहती हैं कि वह अपने ब्रिगेड में ज्यादातर पुरुष सैनिकों से मजबूत हैं।

वहीं, तोपखाने की कमांडर ओल्हा बिहार कहती हैं कि टेक्नोलॉजी युद्ध को बदल रही है। अब सबसे अच्छा सैनिक ड्रोन पायलट हो सकता है, जिनकी उगलियां तेज चलती हैं। वे कहती हैं कि मुझे उम्मीद है कि मैं एक दिन रक्षा मंत्री बनूंगी।

महिलाओं को युद्ध में नई भूमिका दिलाने की कोशिश – इनविजिबल बटालियन के एक रिसर्च प्रोजेक्ट में मदद करने वाली मारिया बर्लिंस्का रूस के शुरुआती आक्रमण के बाद से महिलाओं के लिए ज्यादा भूमिकाएं खोलने की कोशिश कर रही हैं।

हर युद्ध ने तकनीकी प्रगति और महिलाओं की आजादी को बढ़ावा दिया है। कई महिलाएं कानून के बावजूद लड़ाई में हिस्सा ले रही थीं, जिसमें वे कुक और क्लीनर के रूप में रजिस्टर होती थीं। हालांकि, महिलाओं को भर्ती करने पर कोई राजनीतिक बहस नहीं हुई है।

डिजीटल संस्करण
https://sbpatra.in
पर उपलब्ध

सत्य का ब्रह्मास्त्र

स्वतंत्र बौद्धिकपत्र

स्वतंत्र बौद्धिक पत्र (समाचार पत्र)

https//:sbpatra.in

पर डिजिटल संस्करण उपलब्ध

YouTube

SWATANTRA BODDHIK PATRA

खबरों के लिए लोगिंन करे !

https://sbpatra.in/

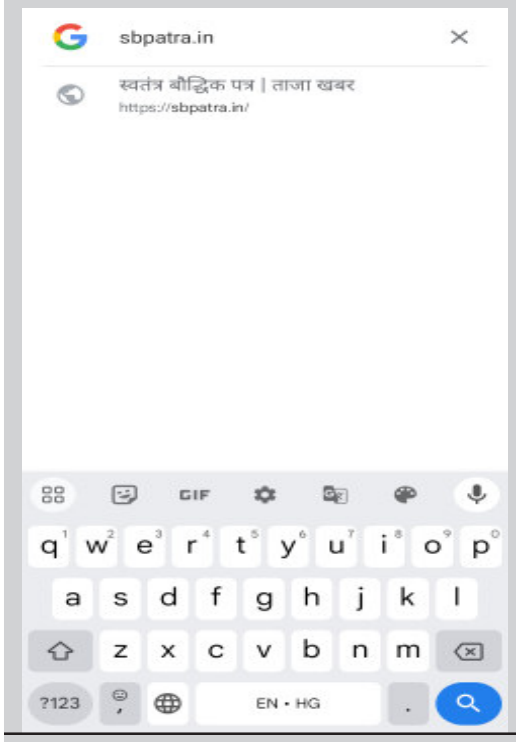

(1) गुगल सर्च करे - https://sbpatra.in/

(2) होम पेज पर केटेगिरी मे जाए

(3) ई-पेपर केटेगिरी चुने

(4) समाचार पत्र आपके सामने क्लिक करे !

निःशुल्क ई-पेपर प्रति सोमवार को वेब पोर्टल https://sbpatra.in/ से डाउनलोड कर सकते है।

स्वतंत्र बौद्धिक पत्र (समाचार पत्र)

https//:sbpatra.in

पर डिजिटल संस्करण उपलब्ध